कुंजी

DATE 16.5.24
PAGE No. 1

टेंडरहार्ट हाई स्कूल, सेक्टर-33-बी, चण्डीगढ़
(कुंजी)

कक्षा - आठ 8 शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य पाठ-4 'आज भी खरे हैं तालाब'

पुस्तक - नवतरंग - 8

पाठ बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- संक्षेप में -

उत्तर (क) कूड़न किसान की कहानी के माध्यम से लेखक ने लोगों से परोपकार करने को कहा है। कूड़न को जब पारस पत्थर मिला तो उसने अपना भला नहीं चाहा। उसने अपना स्वार्थ (भला) अलग रखकर समाज की भलाई के बारे में सोचा। राजा ने भी कूड़न किसान की ईमानदारी, भलाई और परोपकार की भावना देखकर उससे पारस पत्थर नहीं लिया। राजा ने कूड़न को पारस की मदद से अच्छे कार्य करने और तालाब बनाने को कहा।

उत्तर (ख) पुराने ज़माने में गाँवों के लोग ज़रूरत न होते हुए भी अनेक तालाब इसलिए बनवाते जाते थे क्योंकि उनको पानी का महत्त्व पता था। तालाबों का निर्माण अनेक लोगों ने कराया। राजा ने किसी तालाब को बनवाया तो किसी को रानी ने, साधारण गृहस्थ ने, विधवा ने व असाधारण साधु-संत ने। इस प्रकार सारे देश में तालाब बनते चले गए। आज के रीवा जिले का जोड़ौरी गाँव की आबादी लगभग 2500 के ऊपर 12 तालाब हैं, वहीं 1500 आबादी वाले तालमुकेदान में 10 तालाब। उनका मानना था कि बरसने वाली हर बूँद इकट्ठी कर ली जाए और संकट के समय आपस में बाँट लिया जाए।

उत्तर (ग) पहले गाँव नदी-तालाबों के किनारे ही बसते थे। जिनसे लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कुंजी

DATE 16.5.24
PAGE No. 2

कक्षा - आठ B शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य पाठ - 4 'आज भी खरे हैं तालाब'

आसानी से कर सकें क्योंकि जल है तो जीवन है। अतः जहाँ तालाब नहीं होते थे वहाँ लोग नहीं बसते थे। देश में सबसे कम वर्षा वाले क्षेत्र राजस्थान में बसे हज़ारों गाँव के नाम इन तालाबों के नाम से जुड़े हैं।
विस्तार से :-

उत्तर (क) सन् 1970 के बाद यह स्थिति आ गई कि शहरों में बने बहुत से तालाबों को मलबा और मिट्टी से भर दिया गया और उन पर नए मोहल्ले, बाज़ार, स्टेडियम, कारखाने, मकान खड़े कर दिए गए। अब वर्षा के पानी के निकलने का रास्ता बंद हो चुका था। पहले यह पानी उन तालाबों में भर जाता था लेकिन अब लोगों के घरों में भरने लगा।

उत्तर (ख) देवास शहर के पिछले 30 वर्षों में सभी छोटे-बड़े कुएँ, तालाब भर दिए गए और उस स्थान पर मकान और कारखाने बना दिए गए। अब शहर को पानी देने का कोई स्रोत नहीं बचा। जहाँ तक कि शहर के खाली होने की खबरें छपने लगीं। पानी शहर के लिए कैसे जुटाया जाए? इन तालाबों और कुओं के बदले रेलवे स्टेशन पर दस दिन तक काम चलता रहा। 25 अप्रैल 1990 को इन्दौर से 50 टैंकर पानी देवास को पहुँचाया गया। इस घटना से यह पता चलता है कि लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए ये तालाब बंद कर दिए हैं।

उत्तर (ग) समाज द्वारा उपेक्षित इस वातावरण में आज भी बहुत-से तालाब अपने अस्तित्व में हैं। इनकी संख्या लगभग आठ से दस लाख है। न जाने कितने शहर, कितने गाँव इन्हीं तालाबों के कारण टिके हैं। बहुत

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कुंजी

कक्षा- आठ 8 शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य पाठ-5 'आज भी खरे हैं तालाब'

- सी नगरपालिकाएँ आज भी इन्हीं तालाबों के कारण पल रही हैं। साथ ही सिंचाई विभाग भी इन्हीं के दम पर खेतों को पानी दे पा रहे हैं।

निर्देश:- * सभी छात्र इस पाठ के शब्दार्थ तथा प्रश्नोत्तर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे तथा याद करेंगे।

* सब बच्चे हिंदी का शब्दकोश खोलेंगे और जो कठिन शब्द पाठ में आए हैं उन्हें ढूँढ़ने का प्रयास करेंगे तथा कोई नए दस शब्द लिखेंगे व याद करेंगे। लिखाई साफ़ और सुंदर होनी चाहिए।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner